# 6. मृदा एवं मृदा संरक्षण

❑ नई प्रणाली के तहत, राजस्थान की अधिकांश मिट्टी ... क्रम से संबंधित है-[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-8.11.20 (I)]

(1) 5 (2) 10 (3) 2 (4) 9

**Ans.** (1)

*व्याख्या : राजस्थान की मिट्टियों का नई वैज्ञानिक पद्धति से वर्गीकरण-*

*1. एरिडीसोल्स [Aridisols] - एरिडीसोल्स ( बालू मिट्टी का क्षेत्र ) राजस्थान की अर्द्धशुष्क जलवायु में पाई जाने वाली मृदाएँ है। यह मिट्टी राज्य के चूरू, सीकर, झुंझुनूँ, नागौर, डीडवाना-कुचामन, जोधपुर, फलौदी, पाली और जालोर जिलों के कुछ क्षेत्रों में ये विस्तृत हैं। इसका उपमृदाकण ऑरथिड है जिसके अन्तर्गत केम्बोऑरथिड्स, केल्सीऑरथिड्स, सेलोरथिड्स और पेलिऑरथिड्स राजस्थान में पाये जाते हैं।*

*2. अल्फीसोल्स [Alfisols]-अल्फीसोल्स ( जलोढ़ मिट्टी का क्षेत्र ) उपआर्द्र एवं आर्द्र क्षेत्रों में पाई जाती है। राज्य के जयपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, दौसा, भरतपुर, डीग, टोंक, सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा, राजसमन्द, उदयपुर, सलूम्बर, डूँगरपुर, बूँदी, कोटा, बारां, झालावाड़ जिलों में पाया जाता है।*

*3. इनसेप्टीसोल्स [Inceptisols]- शुष्क जलवायु में कभी भी नहीं पाई जाने वाली इनसेप्टीसोल्स ( पथरीली मिट्टी का क्षेत्र ) मृदा अर्द्धशुष्क से लेकर आर्द्र जलवायु में कहीं भी पाई जा सकती हैं। इस प्रकार की मृदाएँ राज्य में सिरोही, पाली, ब्यावर, राजसमन्द, उदयपुर, भीलवाड़ा, सलूम्बर और चित्तौड़गढ़ जिले में विस्तृत हैं।*

*4. वर्टीसोल्स [Vertisols]- वर्टीसोल्स ( काली मिट्टी का क्षेत्र ) मिट्टी में अत्यधिक क्ले उपस्थित होती है। आर्द्र एवं अति आर्द्र क्षेत्रों में पायी जाती है। ये मृदाएँ राज्य के दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र हाड़ौती के झालावाड़, बारां, कोटा तथा बूँदी जिलों के अधिकतर क्षेत्रों में विस्तृत हैं।*

*5. एन्टिसोल्स (Entisols) - एन्टिसोल ( रेगिस्तानी मिट्टी का क्षेत्र ) ही एक ऐसा मृदा वर्ग है जिसके अन्तर्गत भिन्न-भिन्न प्रकार की जलवायु में स्थित मृदाओं का समावेश होता है। पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में इस समूह की मृदाएँ पायी जाती है। इनका रंग प्रायः हल्का पीला-भूरा होता है। इसके दो उपमृदाकण हैं- सामेन्ट्स और फ्लूवेन्ट्स।*

❑ वर्टीसोल मृदा मुख्य रूप से पाई जाती है?

[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
[Asstt. Fire Officer -29.1.2022][कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]

(1) झालावाड़, कोटा, बूँदी, बारां जिलों में
(2) चूरू, सीकर, झुन्झुनूँ, नागौर जिलों में
(3) सिरोही पाली, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ जिलों में
(4) जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर जिलों में

**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ वर्टीसोल्स मिट्टी राजस्थान के किन जिलों में नहीं पाई जाती- [JEN (Diploma)- 21.8.2016]

(1) झालावाड़, बारां (2) कोटा, भरतपुर
(3) बूँदी, बाँसवाड़ा (4) धौलपुर, करौली

**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के किन जिलों में 'वर्टीसोल्स' मृदा नहीं पाई जाती है? [III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) कोटा-बूँदी (2) बाराँ-कोटा
(3) बीकानेर-चूरू (4) बाँसवाड़ा-झालावाड़

**Ans.** (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के निम्न में से किन जिलों में 'इन्सेप्टीसोल्स मृदा' पाई जाती है? [CET : 07.01.2023 (S-I)]

(1) कोटा, बूँदी और बाराँ (2) जयपुर, दौसा और अलवर
(3) जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर
(4) पाली, भीलवाड़ा और सिरोही

**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ सिरोही, पाली, भीलवाड़ा, उदयपुर, राजसमन्द जिलों में अधिकांशतः किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?

[Assist. Professor-8.9.2024]
[संग्रहालयाध्यक्ष - 19.06.2024]

(1) एन्टिसोल्स (2) इन्सेप्टीसोल्स (3) वर्टीसोल्स (4) एरिडीसोल्स

**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ वर्टीसोल मिट्टी राजस्थान के किस भाग में मिलती है? [VDO Mains -09.07.2022]

(1) उत्तर-पश्चिमी भाग (2) दक्षिणी-पश्चिमी भाग
(3) दक्षिण-पूर्वी भाग (4) पूर्वी भाग

**Ans.** (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के किस प्रदेश में वर्टी मृदा मिलती है-

[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

(1) हाड़ौती का पठार (2) घग्घर का मैदान
(3) लूनी बेसिन (4) शेखावाटी

**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ **हाड़ौती प्रदेश की मृदा का प्रधान प्रकार है-**
[Asst. Professor- 7.1.2024][संगणक परीक्षा-19.12.2021]
(1) वर्टीसॉल (2) अल्फीसॉल (3) एण्टीसॉल (4) इनसेप्टीसॉल
**Ans. (1)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस प्रदेश में एन्टिसोल समूह की मृदा मिलती है?**[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा-26.12.2020]
[मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020] [RAS 14 June, 2012]
[अन्वेषक - 27.12.2020][Lab Assistent (Science) -29.6.2022]
[CET : 08.01.2023 (S-I)]
(1) पूर्वी (2) पश्चिमी (3) दक्षिणी-पूर्वी (4) दक्षिणी
**Ans. (2)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के सिरोही और पाली जिलों में कौनसे प्रकार की प्रधान मृदा मिलती है-**[Librarian - 2.8.2020]
(1) एरिडीसोल्स (2) अल्फीसोल्स
(3) इनसेप्टीसोल्स (4) वर्टीसोल्स
**Ans. (3)** *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **एरिडी मृदा समूह प्रधानत: राजस्थान के किस प्रदेश में पाया जाता है?** [सांख्यिकी अधिकारी-25.02.2024]
(1) दक्षिणी राजस्थान (2) पश्चिमी राजस्थान
(3) उत्तर -पूर्वी राजस्थान (4) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान
**Ans. (3)** *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में किस जिले में केल्सीओरथिड पायी जाती है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर)परीक्षा- 26.03.2019]
(1) उदयपुर (2) सीकर (3) जयपुर (4) सिरोही
**Ans. (2)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे*

❒ **मृदा में नवीन वर्गीकरण में राजस्थान में 'अल्फीसोल्स' मृदा पायी जाती है-**[JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020]
[VDO Mains-9.7.2022][CET : 07.01.2023 (S-II)]
(1) जयपुर, अलवर, दौसा और कोटा में
(2) चूरू, झुन्झुनूँ और सीकर में
(3) जैसलमेर और बाड़मेर (4) प्रतापगढ़ और सिरोही
**Ans. (1)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के सर्वाधिक क्षेत्र पर निम्न में से कौनसी मृदा पायी जाती है?** [JEN Exam - 21.08.2016]
[प्रयोगशाला सहायक - 3.2.19][Librarian Gar.-III-13.11.16]
(1) एरिडीसोल्स एवं एण्टिसोल्स
(2) एरिडीसोल्स एवं अल्फीसोल्स
(3) इनसेप्टिसोल्स
(4) वर्टीसोल्स एवं अल्फीसोल्स
**Ans. (1)**

*व्याख्या : राजस्थान के दो-तिहाई भाग में बलुई मिट्टी अर्थात् एरिडीसोल्स एवं एण्टिसोल्स पाई जाती है।*

❒ **हाड़ौती पठार की मिट्टी है?** [R.A.S. Pre. 1998]
[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -I]
(1) कछारी (जलोढ़) (2) लाल (3) भूरी (4) मध्यम काली
**Ans. (4)**

*व्याख्या - मध्यम काली मिट्टी काले रंग की होती है। इस मिट्टी के कणों की बनावट घनी एवं बारीक होती है। इसमें अधिक समय तक पानी ठहर सकता है। यह गीली होने पर फूल जाती है और सूखने पर सिकुड़ जाती है जिसके कारण इसमें दरारें पड़ जाती है। यह मिट्टी बहुत उत्पादक है। इसमें विशेषत: कपास व धान की खेती की जाती है। यह राज्य के दक्षिणी-पूर्वी भाग हाड़ौती (कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड) में ही मिलती है।*

❒ **कोटा, बूँदी, झालावाड़ में कौनसी मृदा पायी जाती है?** [वनरक्षक-12.12.2022(S-I)]
(1) लाल एवं पीली मृदा (2) मरुस्थली मृदा
(3) लाल एवं काली मिश्रित मृदा (4) मध्यम काली मृदा
**Ans. (4)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में इनमें से कौन-सी मृदा की प्रधानता है?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]
(1) लाल मृदा (2) भूरी रेतीली मृदा
(3) मध्यम काली मृदा (4) लाल एवं पीली मृदा
**Ans. (3)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के कौनसे भाग में काली मृदा पायी जाती है?** [Superintendent Garden - 28.07.2021]
(1) उत्तरी-पूर्वी भाग (2) मध्यवर्ती क्षेत्र
(3) दक्षिणी अरावली क्षेत्र (4) दक्षिणी-पूर्वी भाग
**Ans. (4)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किन जिलों में मध्यम काली मिट्टी पाई जाती है?** [Librarian III Grade 11.09.2022]
(1) कोटा-बूँदी-झालावाड़ (2) उदयपुर-डूँगरपुर-बाँसवाड़ा
(3) टोंक-अजमेर-पाली (4) चूरू-झुन्झुनूँ-सीकर
**Ans. (1)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी मृदा, राजस्थान में कपास फसलों के उत्पादन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त है?**[Lab Assistant -30.06.2022]
(1) मिश्रित लाल एवं पीली मृदा (2) भूरी जलोढ़ मृदा
(3) मध्यम काली मृदा (4) लाल लोमी मृदा
**Ans. (3)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान में भूरी मिट्टी का प्रसार क्षेत्र है ?

[R.A.S.-1994][जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]

(1) बनास नदी का प्रवाह क्षेत्र

(2) राजस्थान का दक्षिणी भाग

(3) हाड़ौती पठार (4) अरावली के दोनों तरफ के भाग

Ans. (1)

*व्याख्या*-भूरी मिट्टी टोंक, सवाईमाधोपुर, बूँदी, भीलवाड़ा, उदयपुर, सलूम्बर एवं चित्तौड़गढ़ जिलों में पायी जाती है। विशेषतः यह मिट्टी अरावली पर्वतमाला के पूर्वी भाग में बनास व उसकी सहायक नदियों के क्षेत्र में पायी जाती है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन और फॉस्फोरस लवणों का अभाव होता है।

❑ राजस्थान में भूरी मृदा पाई जाती है-

[JEN (Civil) Degree 12.09.2021]

(1) जैसलमेर (2) भरतपुर (3) बूँदी (4) बाड़मेर

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्नलिखित में से किस जिले में भूरी मृदाएँ मिलती हैं- [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) - 20.03.2019]

(1) बाड़मेर (2) नागौर (3) जालौर (4) सवाई माधोपुर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ बनास नदी के जलग्रहण क्षेत्र में निम्न में से किस मृदा का अधिकांश क्षेत्रफल है- [Research Officer-04.08.2024]

(1) लाल लोमी (2) मिश्रित लाल एवं पीली

(3) सीरोजम (4) भूरी

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ वह खनिज जो मिट्टी की क्षारीयता का उपचार करने में तथा स्वास्थ्य व निर्माण उद्योग क्षेत्र में काम आता है, वह अधिकांशतः पाया जाता है?

[E.O. Exam, 2007]

(1) बीकानेर (2) सीकर (3) नागौर (4) झुँझुनूँ

Ans. (3)*

*व्याख्या - जिप्सम खनिज जो मिट्टी की क्षारीयता का उपचार करने में तथा स्वास्थ्य व निर्माण उद्योग क्षेत्र में काम आता है, वह अधिकांशतः नागौर जिले में पाया जाता है।*

❑ मिट्टी में खारापन एवं क्षारीयता की समस्या का समाधान है? [RAS-1995][Police Constable-2006-07]

(1) शुष्क - कृषि विधि (2) वृक्षारोपण

(3) खेती में जिप्सम का उपयोग

(4) समोच्च रेखाओं के अनुसार कृषि

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ जिसका उपयोग मिट्टी की लवणता एवं क्षारीयता की समस्या का दीर्घकालीन हल है, वह है?

[R.A.S.-1998][क. वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2016]

(1) रॉक-फॉस्फेट (2) जिप्सम(3) खाद(4) चीया फल

Ans. (2)

*व्याख्या - राज्य का पश्चिमी भाग लवणीय समस्या से अधिक ग्रसित है। यहाँ सोडियम कार्बोनेट, सोडियम क्लोराइड आदि लवण मिट्टी की ऊपरी सतह पर परत के रूप में इकट्ठे हो जाते हैं। ऐसी मिट्टी को ऊसर, नमकीन या रेह मिट्टी भी कहते हैं। क्षारीयता की समस्या ऊंचाई की अधिकता के कारण उत्पन्न होती है। मिट्टी में खारापन एवं क्षारीयता की समस्या के समाधान हेतु जिप्सम का उपयोग किया जाता है।*

❑ राजस्थान के नागौर, पाली, अजमेर और जयपुर जिलों में मुख्य रूप से कौनसी मिट्टी पाई जाती है?

[LDC Exam - 16.09.2018]

(1) लाललोम(2) सिरोजेम्स(3) भूरी मिट्टी(4) रेतीली मिट्टी

Ans. (2)

*व्याख्या - सीरोजम मिट्टी में मिट्टी का रंग पीला भूरा होता है। इसमें नाइट्रोजन और कार्बनिक तत्त्वों का अभाव होने के कारण उर्वरा शक्ति की कमी होती है। यह मिट्टी पाली, ब्यावर, अजमेर, नागौर, डीडवाना-कुचामन व जयपुर जिलों में पायी जाती है जो ज्यादातर अरावली के पश्चिम में स्थित है। रेत के छोटे टीलों वाले भाग में पायी जाने के कारण सीरोजम मिट्टी को 'धूसर मरुस्थलीय मिट्टी' भी कहते हैं।*

❑ कथन (A) - राजस्थान में पाई जाने वाली सीरोजम मिट्टी की उर्वरा शक्ति अपेक्षाकृत कम होती है।

कारण(R)-सीरोजम मिट्टी में नाइट्रोजन तथा कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है।[Patwar-24.12.16]

कूट :(1) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

(3) (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (R) (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

Ans. (3)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ सीरोजम मृदा जिस जिले में मिलती है, वह है-
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]

(1) झालावाड़ (2) बारां (3) बाड़मेर (4) जयपुर

**Ans.** (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ जिलों के जिस युग्म में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है, वह है? [JEN Degree (TSP) - 16.10.2016] [पर्यवेक्षक - 2013]

(1) कोटा, बारां, झालावाड़
(2) भरतपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर
(3) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पाली
(4) सिरोही, उदयपुर, पाली

**Ans.** (2)

> ***व्याख्या - दुमट या जलोढ़ मिट्टी [Alluvial soil]:*** *यह नदियों द्वारा लायी गई बारीक बहुत अधिक उपजाऊ मिट्टी होती है। इस मिट्टी में चूना, पोटाश, लौह कणों तथा कैल्सियम तत्त्वों की अधिकता होती है। इसमें नाइट्रोजन के अंश कम मिलते हैं। इसमें जल संचयन क्षमता सर्वाधिक होती है यह मिट्टी राजस्थान के उत्तरी-पूर्वी भाग के हनुमानगढ़, जयपुर, दौसा, भरतपुर, डीग, अलवर, खैरथल-तिजारा, धौलपुर, कोटा, टोंक, सवाईमाधोपुर आदि जिलों में पायी जाती है।*

❒ राजस्थान में, निम्न में से कौनसा मृदा का सर्वाधिक उपजाऊ प्रकार माना जाता है-
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) बालू मृदा (2) पीली मृदा
(3) लाल एवं पीली मिश्रित मृदा (4) जलोढ़ मृदा

**Ans.** (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के किस जिले में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है? [Assistant Engineer-Civil -21.05.23]

(1) कोटा (2) बूँदी (3) बारां (4) दौसा

**Ans.** (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान में जलोढ़ मृदा के बारे में कौनसा कथन सत्य नहीं है- [CET (10+2) : 23.10.2024 (S-I)]
[पशु परिचर-1.12.2024 (S-II)]

(1) यह मृदा राजस्थान के उत्तरी एवं पूर्वी जिलों में पाई जाती है।
(2) इसका रंग हल्का भूरा लाल है और इसका गठन बलुई दुमट है।
(3) यह एक उपजाऊ मृदा है।
(4) इस मृदा में नाइट्रोजन की पर्याप्त मात्रा होती है।

**Ans.** (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ जलोढ़ मृदा राजस्थान के निम्न में से किस क्षेत्र में पायी जाती है- [पशु परिचर-3.12.2024 (S-II)]

(1) राजस्थान का पश्चिमी और दक्षिणी भाग
(2) राजस्थान का उत्तरी और पूर्वी भाग
(3) राजस्थान का उत्तरी और पश्चिमी भाग
(4) राजस्थान का पूर्वी और पश्चिमी भाग

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न कथनों में उपयुक्त कथन है-
कथन (1) - जलोढ़ ( एलुवियल ) मृदा राजस्थान के उत्तरी और पूर्वी जिले जैसे हनुमानगढ़, अलवर, धौलपुर और दौसा में पायी जाती है।
कथन (2) - इस मृदा में पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन होता है परन्तु चूने ( लाइम ), फॉस्फोरस और आयरन ( लौह ) की कमी होती है। [Stenographer-15.10.2024]

(1) कथन 1 असत्य है किन्तु 2 सत्य है।
(2) कथन 1 और कथन 2 दोनों सत्य है।
(3) कथन 1 और कथन दोनों असत्य है।
(4) कथन 1 सत्य है और 2 असत्य है।

**Ans.** (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौन से कथन सर्वाधिक उपयुक्त हैं-
कथन 1 - जलोढ़ मृदा राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय मैदान में पाई जाती है।
कथन 2 - इस मिट्टी में नाइट्रोजन पर्याप्त मात्रा में होती है लेकिन पोटाश और लौह तत्त्व की कमी होती है। [CET (10+2) : 22.10.2024 (S-I)]

(1) कथन 1 और कथन 2 दोनों सही है।
(2) कथन 1 और कथन 2 दोनों गलत हैं।
(3) कथन 1 सही है किन्तु कथन 2 गलत है।
(4) कथन 1 गलत है किन्तु कथन 2 सही है।

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ नये मूल की जलोढ़ मृदा नहीं पायी जाती है।
[JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]

(1) भरतपुर (2) कोटा (3) जयपुर (4) अलवर

**Ans.** (2)

> ***व्याख्या*** *- पीली भूरी, दुमट रेतीली व रेतीली दुमट गठन की गहरी अर्द्ध शुष्क क्षेत्र की मृदाएँ नई जलोढ़ मृदा वर्ग की सदस्य हैं। इसका विस्तार भरतपुर, डीग जिले में तथा अलवर, खैरथल-तिजारा एवं जयपुर जिले के कुछ क्षेत्रों में मिलता है।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ **राजस्थान के किन जिलों में 'लाल लोम' (Red Loam) मृदा पाई जाती हैं?** [कॉलेज व्याख्याता - 2016] [पशुधन सहायक- 21.10.2018] [LDC Exam -09.09.2018] [JEN (Agri.) 10.09.2022]

(1) उदयपुर-कोटा (2) भीलवाड़ा-अजमेर
(3) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर (4) जयपुर-दौसा

**Ans.** (3)

***व्याख्या :*** *लाल दुमट मिट्टी [Red Loamy soil]: लाल रंग युक्त इस मिट्टी के कण बारीक होने के कारण ही इसे लाल दुमट मिट्टी/लैटेराइट मिट्टी कहा जाता है। इस मिट्टी में लौह ऑक्साइड के कणों की अधिकता तथा फॉस्फोरस, नाइट्रोजन और कैल्सियम लवणों की कमी पायी जाती है। यह मिट्टी दक्षिणी राजस्थान के डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, सलूम्बर और चित्तौड़गढ़ जिलों के कुछ भागों में पायी जाती है।*

❑ **लाल-चिकनी बलुई मिट्टी (लाल-लोमी) राजस्थान के कौनसे जिलों में पायी जाती है?** [AEN - 16.12.18] [रसायनज्ञ-06.08.2024] [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021] [Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) कोटा – चित्तौड़गढ़ (2) बाराँ – झालावाड़
(3) उदयपुर – डूँगरपुर (4) अजमेर – पाली

**Ans.** (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **लैटेराइट प्रकार की मिट्टी.... में पाई जाती है।** [EO & RO - 14.05.2023 (S - I)]

(1) चूरू (2) जोधपुर (3) करौली (4) डूँगरपुर

**Ans.** (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **डूँगरपुर तथा बाँसवाड़ा के अधिकांश भाग में है-** [Veterinary Officer - 02.08.2020] [II Grade (SST.) -13.02.2023]

(1) रेवरिना मृदा (2) लाल दोमट(लोम) मृदा
(3) ग्रे ब्राउन जलोढ़ मृदा (4) जिप्सीफेरस मृदा

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के किस भूभाग में 'लाल दोमट' मिट्टी की बहुतायत है-** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-7.11.2020 (I)]

(1) पूर्वी मैदान (2) दक्षिणी राजस्थान
(3) पश्चिमी राजस्थान (4) हाड़ौती का पठार

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के किस जिले में लाल मिट्टी मिलती है-** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021] [पशुधन सहायक 04.6.2022]

(1) जोधपुर (2) बाँसवाड़ा (3) सिरोही (4) कोटा

**Ans.** (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान की मिट्टी के सम्बन्ध में सही उत्तर चुनिए-** [पटवारी प्रारम्भिक-2016] [Librarian Gr.-III-13.11.2016]

**1. थार मरुस्थल में ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर शैलों से बलुई मिट्टी का निर्माण हुआ।**
**2. दक्षिणी भाग में ग्रेनाइट, नीस और क्वार्ट्जाइट शैलों से लाल लोमी मिट्टी का निर्माण हुआ है।**
**3. दक्षिण-पूर्वी भाग में बेसाल्ट लावा के क्षरण से काली मिट्टी का निर्माण हुआ है।**
**4. दक्षिणी भाग में फॉस्फेटिक शैलों के क्षरण से मिश्रित लाल मिट्टी का निर्माण हुआ है।**

(1) 1, 3, 4 (2) 2, 3, 4 (3) 1, 2, 3 (4) 3, 4

**Ans.** (3) *दक्षिणी भाग में लाल दुमट मिट्टी पाई जाती है।*

❑ **राजस्थान के कितने भू-भाग पर रेतीली और बलुई दोमट मिट्टी का प्रसार है?** [वनरक्षक परीक्षा – 2013]

(1)एक-तिहाई (2)दो-तिहाई(3)चार-तिहाई (4) कोई नहीं

**Ans.** (2)

***व्याख्या*** *– राजस्थान के दो-तिहाई भाग की मिट्टी अधिकांशतः रेतीली और बलुई दोमट है जो कम उपजाऊ तथा कम जलग्राही शक्ति वाली होती है।*

❑ **कौनसी मृदा को ऊसर, कल्लर, रेह, अल्कलाइन आदि के रूप में भी जाना जाता है?** [संगणक- 5.5.2018] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]

(1) भूरी (2) लाल (3) लवणीय (4) जलोढ़

**Ans.** (3)

***व्याख्या –लवणीय मिट्टी [Alkaline Soil]:*** *यह मिट्टी बाड़मेर, बालोतरा, जालोर, गंगानगर, डीग, भरतपुर व कोटा जिलों के अधिक सिंचाई वाले भागों में पायी जाती है। क्षारीय लवणों की अधिकता की वजह से इस अनुपजाऊ मिट्टी में केवल चरागाह, झाड़ियाँ व बरसाती पेड़-पौधें ही उगते हैं।*

❑ **राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में लाल रेतीली मिट्टी पायी जाती है-** [शोध अध्येता-04.08.2024]

(1) जोधपुर, चूरू, झुन्झुनूं
(2) सिरोही, प्रतापगढ़, राजसमन्द
(3) कोटा, बाराँ, झालावाड़
(4) अजमेर, जयपुर, दौसा

**Ans.** (1)

Scanned with OKEN Scanner

***व्याख्या* – लाल-बलुई मिट्टी *[Red Desertic soil]* जालोर, डीडवाना-कुचामन, नागौर, जोधपुर, फलौदी, पाली, चूरू, बाड़मेर, बालोतरा, सीकर और झुन्झुनूँ जिलों के कुछ भागों में पायी जाती है।**

❒ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए-**
**( क ) लाल रेतीली मिट्टी कृषि के लिए ठीक होती है लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। ( ख ) लाल रेतीली मिट्टी राजस्थान के कोटा, बूँदी व झालावाड़ जिले के कुछ भाग में पाई जाती है। ( ग ) लाल रेतीली मिट्टी के लिए जिन क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाएँ हैं, वे क्षेत्र कृषि की दृष्टि से उन्नत है।** [जेल प्रहरी -20-10-2018, Shift -III]
(1) केवल क सही है। (2) केवल ख सही है।
(3) क एवं ग सही है। (4) क एवं ख सही है।
**Ans.** (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किन जिलों के समूह में मुख्यत: कच्छारी मृदा पाई जाती है?** [CET : 7.1.2023 (S-1)]
(1) बीकानेर-जैसलमेर (2) कोटा-बूँदी
(3) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर (4) भरतपुर-धौलपुर
**Ans.** (4)

***व्याख्या* – *भूरी रेतीली कछारी मृदा का रंग सामान्यतया कुछ ललाई व भूरापन लिए हुए है। इसमें चूना, फॉस्फोरस व ह्यूमस की कमी पायी जाती है। इस मृदा का विस्तार राज्य के गंगानगर जिले के मध्य भाग, खैरथल-तिजारा ( पूर्व में अलवर ) और डीग ( पूर्व में भरतपुर ) में पाया जाता है। इस उपजाऊ मिट्टी में राज्य की व्यावसायिक व खाद्यान्न फसलें उगाई जाती हैं जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण गंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में बड़े पैमाने पर कपास व गेहूँ की खेती का होना है।***

❒ **राजस्थान में नाइट्रेट की उपस्थिति के कारण कौनसी मृदा उर्वरक है-**[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) लाल-रेतीली (2) भूरी-रेतीली
(3) लाल-पीली (4) लाल-लोमी
**Ans.** (2)

***व्याख्या* – *रेत के छोटे-छोटे टीलों वाले भाग में पायी जाने के कारण भूरी रेतीली मिट्टी को ग्रे-पेन्टेड/धूसर मरुस्थलीय मिट्टी भी कहते हैं। इसमें फॉस्फेट तत्त्वों की अधिकता होती है। इस मिट्टी की उर्वरता नाइट्रेट की उपस्थिति के कारण और बढ़ जाती है।***

❒ **पहाड़ी मृदा राजस्थान में पायी जाती है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]
(1) कोटा व सिरोही में (2) उदयपुर व सिरोही में
(3) सिरोही व अजमेर में (4) उदयपुर व कोटा में
**Ans.** (4)

***व्याख्या* – *पहाड़ी क्षेत्र की मृदाएँ उथली, कंकड़ों वाली, मोटी रेतीली तथा लाल भूरी व धूसर भूरी होती है। यह राजस्थान के दक्षिणी भू-भाग में अरावली पर्वत श्रेणी पर उदयपुर, सलूम्बर, कोटा जिलों में मिलती है।***

❒ **उदयपुर तथा कोटा जिलों में अधिकांशत: है -** [Food Safety Officer - 27.06.2023]
(1) कैल्सी ब्राउन मृदा (2) नवीन भूरी मृदा
(3) पर्वतीय मृदा (4) लाल दुमट
**Ans.** (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किन जिलों में लाल व पीली मृदा पाई जाती है?** [बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक -18.06.2022]
(1) सिरोही-अजमेर-टोंक-जयपुर
(2) सवाई माधोपुर-कोटा-बूँदी-भीलवाड़ा
(3) अजमेर-सिरोही-डूँगरपुर-बांसवाड़ा
(4) सवाई माधोपुर-सिरोही-भीलवाड़ा-अजमेर
**Ans.** (4)

***व्याख्या*- *लाल व पीली मिट्टी सवाईमाधोपुर एवं भीलवाड़ा के पश्चिमी भाग, अजमेर, ब्यावर, पाली, राजसमन्द और सिरोही जिलों में मिलती है। इनका निर्माण ग्रेनाइट, शिस्ट, नीस आदि चट्टानों के टूटने से हुआ है। इसमें कैल्सियम कार्बोनेट व ह्यूमस की नगण्यता एवं नाइट्रोजन तथा जैविक कारकों की अल्पता होती है। इन मृदाओं का लाल व पीला, भूरा रंग लौह ऑक्साइड के जलयोजन की उच्च मात्रा के कारण है। यह मिट्टी मूँगफली और कपास के लिए उपयुक्त है।***

❒ **निम्नलिखित में से कौन-सा ( मिट्टी-जिले ) सुमेलित नहीं है?** [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
(1) मध्यम काली-बूंदी,बारां (2) लाल लोमी-डूँगरपुर, उदयपुर
(3) लाल और पीली-झालावाड़, कोटा
(4) भूरी रेतीली कछारी-भरतपुर, अलवर
**Ans.** (3) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **लाल -पीली मिट्टी राजस्थान के किस जिले में पायी जाती है?** [EO & RO - 14.05.2023 (S - II)]
(1) कोटा (2) सवाई माधोपुर (3) बूँदी (4) बारां
**Ans.** (2) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ वह जिला युग्म जहाँ लाल व पीली मृदा पाई जाती है- [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) अलवर - भरतपुर (2) बारां - कोटा
(3) पाली - जोधपुर (4) अजमेर - भीलवाड़ा
Ans. (4) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ लाल व पीली मिट्टी वाला जिलों का युग्म है?
[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
(1) भरतपुर - धौलपुर (2) झालावाड़-बारां
(3) श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ (4) सवाईमाधोपुर-राजसमन्द
Ans. (4) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ वह जिला युग्म जहाँ लाल व पीली मृदा पाई जाती है? [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) अजमेर-सिरोही (2) अलवर-भरतपुर
(3) पाली-जोधपुर (4) कोटा-बूंदी
Ans. (1) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ राजस्थान में लाल पीली मृदा के संबंध में निम्न में से कौनसा कथन सही है-[पशु परिचर-3.12.2024 (S-II)]
(1) यह मृदा शिस्ट ग्रेनाइट तथा नीस चट्टानों के विखण्डन से बनी है।
(2) यह मृदा बीकानेर और बाड़मेर क्षेत्र में पाई जाती है।
(3) इस मृदा में पर्याप्त मात्रा में चूना और नाइट्रोजन होता है।
(4) यह मूँगफली तथा कपास की खेती के लिए उपयुक्त नहीं होती।
Ans. (1) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ ग्रेनाइट, नाइस व शिष्ट चट्टानों के विखंडन से कौनसी मृदा का निर्माण होता है?
[III Grade (Sindhi) -01.03.2023]
(1) काली (2) लाल-पीली
(3) दोमट (4) रेतीली
Ans. (2) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ सही कथन चुनिए- [CET-G (S-I) - 28.09.2024]
कथन (1) - लाल पीली मिट्टी सवाई माधोपुर, सिरोही, राजसमंद, उदयपुर और भीलवाड़ा जिलों के हिस्सों में पाई जाती है।
कथन (2) - लाल पीली मिट्टी मूँगफली और कपास की खेती के लिए उपयुक्त है।
(1) कथन 1 और 2 दोनों सही है।
(2) कथन 1 और कथन 2 दोनों ही गलत है।
(3) कथन 1 सही है लेकिन कथन 2 गलत है।
(4) कथन 1 गलत है लेकिन कथन 2 सही है।
Ans. (1) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ मृदा का प्रकार जो कि राजस्थान में प्रमुखतया झालावाड़, बारां, कोटा जिलों में पाया जाता है-
[व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-12.11.2021]
[III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) भूरी रेतीली मृदा (2) काली रेगुर मृदा
(3) लाल मृदा (4) लवणीय रेतीली मृदा
Ans. (2)

*व्याख्या - काली मिट्टी [Regur Soil]* <u>*हाड़ौती क्षेत्र*</u> *में पाई जाती है। इस मिट्टी के कणों की बनावट घनी एवं बारीक होती है। इसमें अधिक समय तक पानी ठहर सकता है। यह गीली होने पर फूल जाती है और सूखने पर सिकुड़ जाती है जिसके कारण इसमें दरारें पड़ जाती है। यह मिट्टी बहुत उत्पादक है। इसी गुण के कारण काली मिट्टी को* <u>*स्वत: जुताई वाली मिट्टी*</u> *कहा जाता है।* <u>*काली मिट्टी में गंधक, कैल्शियम व लोहे की मात्रा अधिक होती है।*</u> *इस वर्ग की मृदाएँ* <u>*झालावाड़, कोटा, बूँदी, सवाईमाधोपुर, बाँसवाड़ा, बाराँ, सलूम्बर*</u> *तथा उदयपुर जिलों में मिलती है।*

❒ कौनसी मृदा 'स्वजोत' के लिए जानी जाती है?
[III Grade (English) -27.02.2023]
(1) लाल-रेतीली (2) भूरी-रेतीली (3) काली (4) कछारी
Ans. (3) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ राजस्थान के किस क्षेत्र में बहुतायत में काली मिट्टी पाई जाती है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (I)]
(1) हाड़ौती क्षेत्र (2) थार क्षेत्र
(3) पूर्वी मैदान (4) जयपुर क्षेत्र
Ans. (1) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ काली मृदा पाई जाती है-[JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.20]
[पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)]
[Asst. Town Planner- 16.06.2023]
(1) बारां, झालावाड़, कोटा (2) जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर
(3) टोंक, धौलपुर, अलवर (4) बीकानेर, उदयपुर, सिरोही
Ans. (1) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ निम्न में से किस प्रकार की मिट्टी में स्वयं जुताई का गुण पाया जाता है-[राज.पु. कॉन्स्टेबल-8.11.2020 (II)]
(1) काली (2) जलोढ़ (3) शुष्क (4) लेटेराइट
Ans. (1) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

❒ उपयुक्त कथन हैं- [CET (10+2) : 24.10.2024 (S-I)]

**कथन 1 - काली मिट्टी राजस्थान के कोटा, बूँदी, बाराँ और झालावाड़ जिलों में पाई जाती है।**

**कथन 2 - काली मिट्टी में नाइट्रोजन तो पर्याप्त मात्रा में होती है परन्तु कैल्शियम की कमी होती है।**

(1) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।
(2) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।
(3) कथन 1 सत्य है, 2 असत्य है।
(4) कथन 1 असत्य है, किन्तु कथन 2 सत्य है।

**Ans.** (3) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की मरुस्थलीय बालू का प्रमुख स्रोत निम्न में से क्या है?** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहा.(अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]

(1) प्राचीन नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी
(2) सतपुड़ा पर्वत के कण
(3) चम्बल नदी द्वारा लाई गई मिट्टी
(4) बनास नदी द्वारा लाई गई मिट्टी

**Ans.** (1)

***व्याख्या-मरुस्थलीय मिट्टी/बलुई मिट्टी [Sandy Soil] :*** *यह मिट्टी पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश क्षेत्रों में रेत के टीलों के रूप में पायी जाती है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन और कार्बनिक लवणों की कमी तथा कैल्सियम लवणों की अधिकता होती है। ऊँचे-ऊँचे टीलों के बीच में बारीक कणों वाली मिट्टी का जमाव भी कहीं-कहीं पाया जाता है जो बहुत उपजाऊ होता है। फॉस्फेट व नाइट्रोजन की उपस्थिति इस मिट्टी को जहाँ जल आपूर्ति नियमित करती है फिर भी यह मिट्टी फसल के लिए प्रायः अनुत्पादक होती है। यह मिट्टी मोटे अनाज जैसे - बाजरा, मोठ, ज्वार आदि की फसलों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है। बलुई मृदा शुष्क व रन्ध्रमय होने के कारण पवनों द्वारा स्थानान्तरित होती रहती है। इसमें क्षारीय तत्त्वों की अधिकता होती है। राजस्थान के पश्चिमी भाग जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, नागौर, चूरू, पाली में यह मृदा मुख्य रूप से मिलती है।*

❒ **मरुस्थलीय मृदा के बारे में सबसे असत्य कथन का चयन करें-** [CET (10+2) : 23.10.2024 (S-II)]

(1) मरुस्थलीय मृदा पवनों के द्वारा विस्थापित हो जाती है।
(2) इसमें उर्वरता की कमी लेकिन अधिक लवणता बनी रहती है।
(3) बेर, सहजन तथा करौंदा मरुस्थलीय मृदा के सुधार में उत्तम माने जाते हैं।
(4) मरुस्थलीय मृदा पूर्वी राजस्थान में पायी जाती है।

**Ans.** (4) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में मरुस्थलीय मृदा के संबंध में कौनसा कथन सही नहीं है-** [पशु परिचर-1.12.2024 (S-II)]

(1) इसमें उर्वरता की कमी तथा लवणता अधिक होती है।
(2) यह पानी को अत्यधिक मात्रा में सोख और धारण कर सकती है।
(3) यह मृदा पवन के द्वारा स्थानान्तरित होती है।
(4) यह मृदा पश्चिमी राजस्थान में पाई जाती है।

**Ans.** (2) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के पश्चिमी भाग में पायी जाने वाली कौनसी मृदा कम उपजाऊ एवं अधिक लवणता युक्त होती है-** [पशु परिचर-3.12.2024 (S-II)] [पशु परिचर-2.12.2024 (S-I)] [पशु परिचर-1.12.2024 (S-I)]

(1) मरुस्थलीय (2) काली (3) लैटेराइट (4) जलोढ़

**Ans.** (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के निम्न में से किस क्षेत्र में मरुस्थलीय मृदा नहीं पायी जाती है?** [पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)]

(1) कोटा (2) चूरू (3) नागौर (4) जोधपुर

**Ans.** (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के नागौर, पाली, बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों में मुख्यतः कौनसी मृदा पाई जाती है-** [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019] [पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III -19.09.2020]

(1) बलुई मृदा (2) काली मृदा (3) लाल मृदा (4) पीली मृदा

**Ans.** (1) ***व्याख्या** - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **मिश्रित लाल व काली मृदा कौनसे जिलों में पायी जाती है-** [मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]

(1) पाली - सिरोही (2) डूँगरपुर-बाँसवाड़ा
(3) अजमेर - नागौर (4) धौलपुर - करौली

**Ans.** (2)

***व्याख्या : मिश्रित लाल एवं काली मृदा*** *- लाल मृदा मालवा पठार की काली मृदा का ही विस्तार है। यह बलुई मटियार अथवा बलुई दोमट के रूप में मिलती है। इसमें साधारणतया फॉस्फेट, नाइट्रोजन, कैल्शियम और कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है। यह मृदा कपास, मक्का फसलों के लिए उपयोगी है। यह मृदा भीलवाड़ा, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा एवं पूर्वी उदयपुर आदि जिलों में मिलती है।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ **कौनसा कथन राजस्थान की लेटेराइट मृदा के बारे में सही नहीं है-** [पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)]
(1) यह कायांतरित एवं रवेदार चट्टानों से बनी है।
(2) यह मृदा डूँगरपुर में पायी जाती है।
(3) लौह अंश की उपस्थिति के कारण यह लाल नजर आती है।
(4) इसमें पर्याप्त मात्रा में फॉस्फोरस पाया जाता है।
**Ans.** (4)

> ***व्याख्या :*** *लेटेराइट मृदा - उच्च तापमान, भारी वर्षा, उच्च आर्द्रता के ऊँचाई वाले प्रदेशों में स्फटकीय (Crystalline) व कायान्तरित चट्टानों के क्षरण से लेटेराइट मिट्टी का निर्माण होता हैं। ये मृदाएँ उष्ण कटिबंधीय वर्षा के कारण हुए तीव्र निक्षालन का परिणाम है। इसमें चूने एवं मैग्नीशियम का अंश कम तथा लौहे, कैल्शियम और एल्युमिनियम की अधिकता होती है। इन मृदाओं में जैव पदार्थ, नाइट्रोजन, फॉस्फेट और कैल्शियम की कमी होती है तथा लौह-आक्साइड और पोटाश की अधिकता होती है। अतः ये कृषि के लिए पर्याप्त उपजाऊ नहीं है। इस मृदा के क्षेत्र ऊसर है। यह राजस्थान के डूँगरपुर, उदयपुर के मध्य व सलूम्बर एवं दक्षिणी राजसमंद जिले में मिलती हैं।*

❑ **लेटेराइट मिट्टी के दो कथनों में सही कथन है-**
**कथन 1. लेटेराइट मिट्टी डूँगरपुर, उदयपुर के मध्य और दक्षिणी भाग और राजसमंद क्षेत्रों में पाई जाती है।**
**कथन 2. लोहे (आयरन) की उपस्थिति के कारण यह लाल दिखती है।** [CET (10+2) : 22.10.2024 (S-II)]
(1) कथन 1 और 2 दोनों सत्य है।
(2) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।
(3) कथन 1 सत्य है और 2 असत्य है।
(4) कथन 1 असत्य है और 2 सत्य है।
**Ans.** (1) ***व्याख्या*** *- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से कौन-सी pH परास क्षारीय मृदा की सूचक है-** [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.03.2018]
(1) 2.3 से 3.6 (2) 7 (3) 4.2 से 4.8 (4) 7 से ऊपर
**Ans.** (4)

> ***व्याख्या*** *- सामान्य मृदा का pH मान परिसर 6.5 से 7.5 होता है। जिस मृदा का pH मान 7 से कम होता है उसे अम्लीय (चूने की मात्रा कम) तथा जिस मृदा का pH मान 7 से अधिक होता है उसे क्षारीय/लवणीय मृदा कहते है।*

❑ **निम्न में से किस प्रकार की मृदाएँ लिथोसोल्स भी कहलाती हैं?** [आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग)-25.3.2018]
(1) दोमट मृदाएँ (2) मरुस्थलीय मृदाएँ
(3) पर्वतीय मृदाएँ (4) लाल मृदाएँ
**Ans.** (3)

> ***व्याख्या*** *- पर्वतीय/पहाड़ी मृदा को अपरिपक्व मिट्टी तथा लिथोसोल्स भी कहते हैं।*

❑ **कौन-सा मृदाओं के द्वितीयक पोषण तत्त्वों का उदाहरण नहीं है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) - 23.03.2019]
(1) बोरोन (2) पोटाश (3) मैंगनीज (4) कॉपर
**Ans.** (2)

> ***व्याख्या*** *- • मृदा के मुख्य पोषण तत्त्व - जैविक कार्बन, फॉस्फोरस, पोटाश।*
> *• मृदा के द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्त्व - सल्फर, जस्ता, ताँबा, लोहा, मैंगनीज, बोरोन।*

❑ **मृदा का मुख्य घटक नहीं है?** [CET - 11.2.2023 (S-II)]
(1) खनिज (2) ह्यूमस (3) लवण (4) जल
**Ans.** (3)

> ***व्याख्या*** *- मृदा के घटक खनिज कण, ह्यूमस (जैविक खाद), जल तथा वायु होते हैं।*

❑ **सुमेलित कीजिए-** [पशु परिचर-2.12.2024 (S-I)]

| **मृदा के प्रकार** | **विशेषताएँ** |
|---|---|
| (A) लाल पीली मृदा | (1) रेतीली दोमट संरचना होती है। |
| (B) मरुस्थली मृदा | (2) लौह अंश की मौजूदगी |
| (C) काली मृदा | (3) जल धारण एवं शोषण क्षमता कम पायी जाती है। |
| (D) जलोढ़ मृदा | (4) चीका प्रधान मृदा |

कूट :

| | (A) | (B) | (C) | (D) | | (A) | (B) | (C) | (D) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | 2 | 3 | 4 | 1 | (2) | 1 | 3 | 2 | 4 |
| (3) | 2 | 4 | 1 | 3 | (4) | 1 | 3 | 4 | 2 |

**Ans.** (1)

❑ **राजस्थान की 'कुबड़पट्टी' (फ्ल्यूरोसिस ग्रस्त पट्टी) कहाँ है ?** [कर सहायक परीक्षा-14.10.2018]
[R.A.S. Pre Exam 2007] [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16]
[JEN (Mech.) Diploma-2016][Librarian Garde-II- 2.8.2020]
(1) भरतपुर-अलवर (2) कोटा-बूँदी
(3) बाँसवाड़ा-डूँगरपुर (4) नागौर-अजमेर
**Ans. (4)**

Scanned with OKEN Scanner

*व्याख्या* – नागौर, डीडवाना-कुचामन एवं अजमेर जिले की बांका/होन्च/कुबड़ पट्टी के लोग फ्लोराइड एवं खारा पानी पीने के कारण **फ्लोरोसिस** रोग की चपेट में है। फ्लोरोसिस रोग से लोग बांके (कमर झुकी) रहने लगे हैं, इससे यह इलाका कुबड़पट्टी कहलाने लगा है। ज्ञातव्य है कि जायल श्रेणी फ्लोराइड युक्त जल के लिए प्रसिद्ध है।

❒ **निम्न में से राजस्थान के किस जिले में 'बांका पट्टी' पेटी फैली हुई है?** [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-01.5.2017]
(1) भीलवाड़ा (2) नागौर (3) चुरू (4) सीकर
**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान की बांका-पट्टी किस समस्या से ग्रसित है?** [CET : 08.01.2023 (S-II)]
(1) चूना-पत्थर की (2) सूखा और अकाल की
(3) फ्लोराइड की (4) वायु प्रदूषण की
**Ans.** (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'सेम' (स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग) किस स्थिति से संबंधित है?** [RAS-2007][कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]
(1) रेत/बालू के टीलो का निर्माण
(2) पारिस्थितिकी में परिवर्तन
(3) मिट्टी/मृदा का अपरदन/कटाव
(4) वनीय कटाव
**Ans. (2)**

*व्याख्या -धरातलीय भाग पर जल प्लावन (जल भराव) से दलदलीय स्थितियाँ उत्पन्न हो जाती है, यह परिवर्तन सेम की समस्या कहलाता है। इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना में सेम की समस्या का प्रमुख कारण नहर तल के नीचे की चट्टानों का कठोर होना है जिससे पानी नीचे की बजाय किनारों की ओर फैलता है। जल रिसाव से दलदली भूमि का निर्माण हुआ। इस भूमि में केशिका कर्षण क्रिया से भूमिगत लवण धरातल पर जमा हुआ। राजस्थान में श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिले सेम समस्या से भीषणतम प्रभावित है। **हनुमानगढ़ के पीलीबंगा तहसील के गाँव बड़ोपल 'सेम' समस्या से प्रभावित** क्षेत्र है। चम्बल सिंचित क्षेत्र में **सेम समस्या** को दूर करने के लिए कनाडा के सहयोग से 1992-93 में **राजाड परियोजना** चलायी गयी।*

❒ **राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसे जिले पारिस्थितिकीय समस्या 'सेम' (जलभराव) से भीषणतम प्रभावित है**–[JEN (विद्युत) डिप्लोमा-29.11.2020]
[कृषि अधिकारी-19.1.2021][Lab Assistent -30.06.2022]
[Asst. Statistical Officer-08.07.2022]
(1) बाँसवाड़ा - डूंगरपुर (2) जालौर - सिरोही
(3) श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ (4) भरतपुर-धौलपुर
**Ans.** (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **बड़ोपल गाँव जिसके लिए प्राय: जाना जाता है, वह है?** [E.O. Exam. 2007]
(1) जिप्सम का उत्पादन (2) कपास उत्पादन
(3) भूगर्भीय जल का ऊपर आकर एकत्रित होना या 'सेम'
(4) पशु मेला
**Ans. (3)***व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में मृदा उर्वरता में अवनयन का प्रमुख क्या काण है?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)]
(1) गहन कृषि (2) जल-भराव
(3) पवन अपरदन (4) नाली अपरदन
**Ans.** (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सुमेलित नहीं है?** [Lab Assistant Exam - 13.11.2016]
(1) उदयपुर-चित्तौड़गढ़-लाल काली मिट्टी
(2) अलवर-जयपुर - दोमट मिट्टी
(3) श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ - भूरी बलुई मिट्टी
(4) कोटा- झालावाड़ - काली मिट्टी
**Ans.** (3) *गंगानगर-हनुमानगढ़ : रेतीली बालू मिट्टी*

❒ **पश्चिमी राजस्थान की मिट्टी अम्लीय और क्षारीय तत्त्वों से संसिक्त कैसे हो जाती है?** [प्रयोगशाला सहायक 13.11.16] [R.A.S. Pre. 2007]
(1) जल के प्रवाह (Flow of Water) से
(2) मिट्टी की निचली सतह से ऊपर की ओर कोशिकाओं द्वारा जल रिसाव (Capillary action of water through cells) से
(3) मिट्टी के अपक्षालन (leaching) से
(4) मिट्टी के ऊपरी सतह से नीचे की ओर जल रिसाव (water percolation) से
**Ans.** (2)

*व्याख्या - कम वर्षा, कम आर्द्रता, अपलक्षन, उच्च तापक्रम, उच्च वाष्पीकरण एवं वाष्पोत्सर्जन इत्यादि जलवायुवीय कारक ही इन प्रदेशों में लवणीय व क्षारीय भूमि हेतु उत्तरदायी है। मिट्टी में लवणीयता की समस्या कम करने हेतु जिप्सम का प्रयोग किया जाता है।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान के निम्न बेसिनों में से कहाँ अधिकतम बीहड़ भूमि पायी जाती है?[द्वितीय श्रेणी अध्यापक-26.4.2017]
[कनिष्ठ अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019]
[RAS (Pre) - 14 June, 2012][III Grade (SST) -26.02.2023]
[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) चम्बल (2) मध्य माही (3) ऊपरी बनास (4) लूनी
Ans. (1)

> *व्याख्या - चम्बल बेसिन में बीहड़ मिलते है। चम्बल नदी के द्वारा मिट्टी के भारी कटाव के कारण प्रवाह क्षेत्र में बन गई गहरी घाटियाँ व टीले। 5 से 30 मीटर गहरे खड्डों को स्थानीय भाषा में खादर कहते है। राज्य में बीहड़ भूमि का सर्वाधिक विस्तार सवाई माधोपुर एवं करौली जिलों में है। अवनालिका अपरदन/मिट्टी अपरदन (कन्दरा समस्या) के कारण पतली-पतली नालियाँ गहरी नालियों में बदल जाती है जिससे गहरी घाटी व खड्डे (बीहड़ भूमि) बन जाते हैं। चम्बल नदी के विशाल बीहड़ या उत्खात स्थलाकृति इस प्रकार के अपरदन के उदाहरण है। अवनालिका अपरदन से हाड़ौती पठार के क्षेत्र कोटा, करौली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, बूँदी, भरतपुर और जयपुर जिलें ग्रस्त है।*

❑ राजस्थान में कौनसा क्षेत्र सतही जल द्वारा मृदा-अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित है[Asst.Prof.-22.9.2021]
(1) गोडवाड़ प्रदेश (2) शेखावाटी प्रदेश
(3) चम्बल प्रदेश (4) मारवाड़ प्रदेश
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में उत्खात भूमि स्थलाकृति दिखाई देती है- [कृषि पर्यवेक्षक- 18.09.2021]
(1) कोटा और बूँदी (2) जैसलमेर और बाड़मेर
(3) गंगानगर और हनुमानगढ़
(4) सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में अवनालिका अपरदन (Gully Erosion)/मिट्टी अपरदन की समस्या मुख्यत: होती है?
[LDC -19.08.2018][मूल्यांकन अधिकारी-23.08.2020]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) 21.9.2019]
(1) उदयपुर (2) सिरोही
(3) अलवर (4) हाड़ौती पठार क्षेत्र कोटा
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ अधिक अवनालिका अपरदन वाले जिले हैं- [Head Master -11.10.2021]
(1) अलवर, भरतपुर, दौसा और जयपुर
(2) धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर और कोटा
(3) अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक और बूँदी
(4) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ चम्बल बेसिन की खण्ड भूमि को कहा जाता है- [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) अवनलिकायें (2) सेम (3) चादर धुलन (4) भूमिसर्प
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्न में से कौनसी पर्यावरणीय समस्या 'रेंगती मृत्यु' कहलाती है?[Lab Assistent (Science) -28.06.2022]
[कनिष्ठ अनुदेशक -4.1.2025] [CET - 11.2.2023 (S-I)]
(1) मृदा अपरदन (2) निर्वनीकरण
(3) जनसंख्या वृद्धि (4) जल प्रदूषण
Ans. (1)

> *व्याख्या - प्राकृतिक तथा मानव शक्तियों द्वारा किसी प्रदेश के मिट्टी आवरण को नष्ट करने की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहते हैं। मृदा अपरदन से उपजाऊ मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रतिवर्ष कम होती जाती है। इसलिए मृदा अपरदन को 'कृषि का क्षय रोग' अथवा 'रेंगती हुई मृत्यु' भी कहा जाता है। मृदा अपरदन का मुख्य कारण हवा व जल है। राज्य का सर्वाधिक भू-भाग वायु अपरदन से ग्रस्त है।*

❑ राज्य में भूमि अवनयन के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्र प्रभावित है- [ARO (Entomology) 28.8.2022]
(1) जल अपरदनसे (2) वायु अपरदन से
(3) लवणता से (4) जलमग्नता से
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ मृदा-जिले सुमेलित कीजिये:[Librarian III Gr. 11.9.2022]

| | |
|---|---|
| A. लाल रेतीली | 1. पाली, सिरोही, सीकर, झुन्झुनूं |
| B. पीली, भूरी रेतीली | 2. नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर |
| C. लवणीय | 3. नागौर, पाली |
| D. भूरी रेतीली | 4. नागौर, जोधपुर, पाली, जालौर, चूरू और झुन्झुनूँ |

| कूट: | A | B | C | D | | A | B | C | D |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) | 1 | 2 | 3 | 4 | (2) | 4 | 3 | 2 | 1 |
| (3) | 4 | 3 | 1 | 2 | (4) | 3 | 4 | 1 | 2 |

Ans. (3)

Scanned with OKEN Scanner

❒ **मृदा अपरदन का निम्नलिखित में से कौनसा एक कारण नहीं है-**[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]
(1) अतिचारण (ओवरग्रेजींग) (2) बाढ़ (फ्लड्स)
(3) भूस्खलन (लैंड स्लाइड्स) (4) वन-रोपण (फॉरेस्टेशन)
**Ans.** (4)

❒ **निम्नलिखित में से कौनसे जिले में सर्वाधिक बेकार (Waste Land) भूमि है-** [R.A.S.-1999] [RAS-2003]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
(1) जोधपुर (2) चुरू (3) उदयपुर (4) जैसलमेर
**Ans.** (4)

***व्याख्या* - *राजस्थान में सर्वाधिक बेकार भूमि क्रमशः जैसलमेर ( 68.34% ), राजसमंद ( 48.91% ), बीकानेर ( 39.15% ) तथा उदयपुर ( 36.31% ) है।***

❒ **भारतीय कृषि विभाग ने राजस्थान में मिट्टी का वर्गीकरण किस आधार पर किया-**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (II)]
(1) मिट्टी की स्थिति के आधार पर
(2) मिट्टी की उर्वरता के आधार पर
(3) मिट्टी के पीएच मूल्य के आधार पर
(4) मिट्टी के गुणों के आधार पर
**Ans.** (2)

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा ( मृदा प्रकार जिला/जिले ) सुमेलित नहीं है-** [Assistant Archivist-03.08.2024]
(1) स्लेटी भूरी-जालोर, पाली (2) रेवेरिना - गंगानगर
(3) साई-रोजेम-हनुमानगढ़, चूरु (4) जिप्सीफेरस - बीकानेर
**Ans.** (3) ***व्याख्या : निम्नांकित सारणी में देखें।***

❒ **जिप्सीफेरस मृदा पाई जाती है-**[II. Master-11.10.2021]
[Archivist-03.08.2024][CET : 8.1.2023 (S-II)]
[वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक -19.06.2022]
[योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]
[III Grade (Hindi) -26.02.2023]
(1) श्रीगंगानगर (2) भरतपुर (3) कोटा (4) बीकानेर
**Ans.** (4) ***व्याख्या : निम्नांकित सारणी में देखें।***

❒ **कृषि विभाग, राजस्थान के मृदा वर्गीकरण के अनुसार 'रेवेरिता' ( रेवरिना ) मृदा पायी जाती है-**
[EEO -19.06.2024] [खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019]
(1) गंगानगर (2) बीकानेर (3) उदयपुर (4) जालौर
**Ans.** (1) ***व्याख्या : निम्नांकित सारणी में देखें।***

❒ **पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?**[सहा. सांख्यिकी अधिकारी-27.05.2019]
(1) पीली-भूरी (2) धूसर -भूरी (ग्रे-ब्राउन) जलोढ़
(3) लाल दोमट (4) गहरी मध्यम काली
**Ans.** (2) ***व्याख्या : निम्नांकित सारणी में देखें।***

| ***राजस्थान के कृषि विभाग का मृदा वर्गीकरण एवं जिले**** | |
|---|---|
| 1. साई रोजेम्स (Sie Rozems) | गंगानगर |
| 2. **रेवेरिता ( Reverita )** | गंगानगर |
| 3. मरुस्थली मृदा (Desert Soils) | गंगानगर, चूरू, झुंझुनूँ, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, बाड़मेर, जोधपुर एवं सीकर |
| 4. **जिप्सीफेरस ( Gypsiferrous )** | बीकानेर |
| 5. धूसर भूरी जलोढ़ मृदा (Gray-Brown Alluvial Soils) | जालोर, पाली, नागौर, अजमेर एवं सिरोही |
| 6. नान केल्सिल ब्राउन मृदा (Non Calcil Brown Soils) | जयपुर, सीकर, झुंझुनूँ, नागौर, अजमेर एवं अलवर |
| 7. नवीन जलोढ़ मृदा (Alluvial Soils of Recent Origin) | अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर एवं जयपुर |
| 8. पीली-भूरी मृदा (Yellowish Brown Soils) | जयपुर, टोंक, स.माधोपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर |
| 9. नवीन भूरी मृदा (Brown Soils of Recent Origin) | भीलवाड़ा एवं अजमेर |
| 10. पर्वतीय मृदा (Hilly Soils) | उदयपुर एवं कोटा |
| 11. **लाल-लोम ( Red Loam )** | डूँगरपुर एवं बाँसवाड़ा |
| 12. काली गहरी मध्यम मृदा (Deep Medium Black Soils) | कोटा, बूँदी, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, भरतपुर, झालावाड़ |
| 13. केल्सी ब्राउन मरुस्थली मृदा (Desert Soils Calcie Brown) | जैसलमेर एवं बीकानेर |
| 14. मरुस्थल एवं बालूका स्तूप (Desert and Dunes) | जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर एवं बीकानेर |

* कृषि विभाग द्वारा मृदा वर्गीकरण के संशोधित जिलेवार सारणी जारी नहीं की गई है। अतः सारणी को यथावत रखा गया है।

Scanned with OKEN Scanner

| राजस्थान के कृषि विभाग का मृदा वर्गीकरण एवं जिले* | |
|---|---|
| 1. साई रोजेम्स (Sie Rozems) | गंगानगर |
| 2. **रेवेरिता ( Reverita )** | गंगानगर |
| 3. मरुस्थली मृदा (Desert Soils) | गंगानगर, चूरू, झुँझुनूँ, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, बाड़मेर, जोधपुर एवं सीकर |
| 4. **जिप्सीफेरस ( Gypsiferrous )** | बीकानेर |
| 5. धूसर भूरी जलोढ़ मृदा (Gray-Brown Alluvial Soils) | जालोर, पाली, नागौर, अजमेर एवं सिरोही |
| 6. नान केल्सिल ब्राउन मृदा (Non Calcil Brown Soils) | जयपुर, सीकर, झुँझुनूँ, नागौर, अजमेर एवं अलवर |
| 7. नवीन जलोढ़ मृदा (Alluvial Soils of Recent Origin) | अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर एवं जयपुर |
| 8. पीली-भूरी मृदा (Yellowish Brown Soils) | जयपुर, टोंक, स.माधोपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर |
| 9. नवीन भूरी मृदा (Brown Soils of Recent Origin) | भीलवाड़ा एवं अजमेर |
| 10. पर्वतीय मृदा (Hilly Soils) | उदयपुर एवं कोटा |
| 11. **लाल-लोम ( Red Loam )** | डूँगरपुर एवं बाँसवाड़ा |
| 12. काली गहरी मध्यम मृदा (Deep Medium Black Soils) | कोटा, बूँदी, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, भरतपुर, झालावाड़ |
| 13. केल्सी ब्राउन मरुस्थली मृदा (Desert Soils Calcie Brown) | जैसलमेर एवं बीकानेर |
| 14. मरुस्थल एवं बालूका स्तूप (Desert and Dunes) | जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर एवं बीकानेर |

* कृषि विभाग द्वारा मृदा वर्गीकरण के संशोधित जिलेवार सारणी जारी नहीं की गई है। अतः सारणी को यथावत रखा गया है

Scanned with OKEN Scanner